



BRAMAKUMARIS

FOUNDATION

COURSE

1

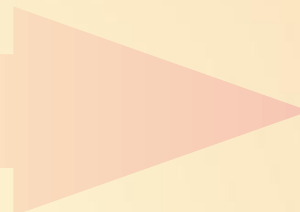
WHO AM I



I AM A SOUL



Soul



Body is like home for Soul



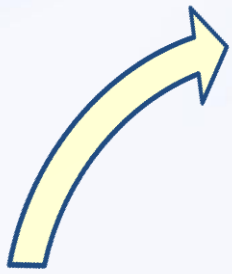
Soul is driver its body (Car)





Brahma Kumaris

Impression

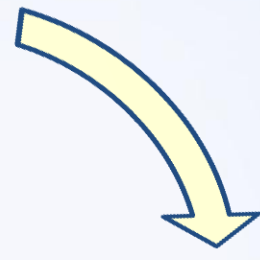


+



Mind

+



+



Intellect



Thoughts

**We gravitate in the direction
of our dominant thoughts**



TYPES OF THOUGHTS



POSITIVE



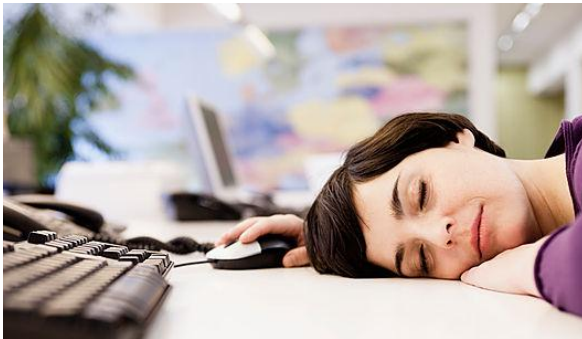
NEGATIVE



WASTE



NECESSARY



UNNECESSARY

INTELLECT



POWER TO JUDGE

DISCRIMINATION

DECISION MAKING

HEREDITARY

PAST BIRTH

SANASKARAS

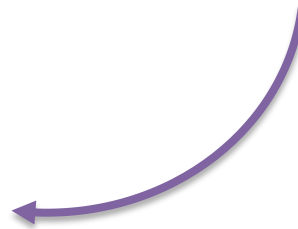
COMPANY

WILL POWER

ORIGINAL

SHOULD I
DRINK..???

LET ME
TRY!!!



QUALITIES



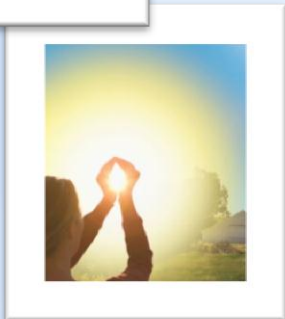
KNOWLEDGE



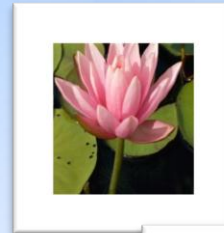
PEACE



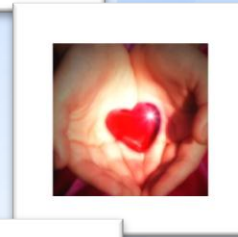
BLISS



POWER



PURITY



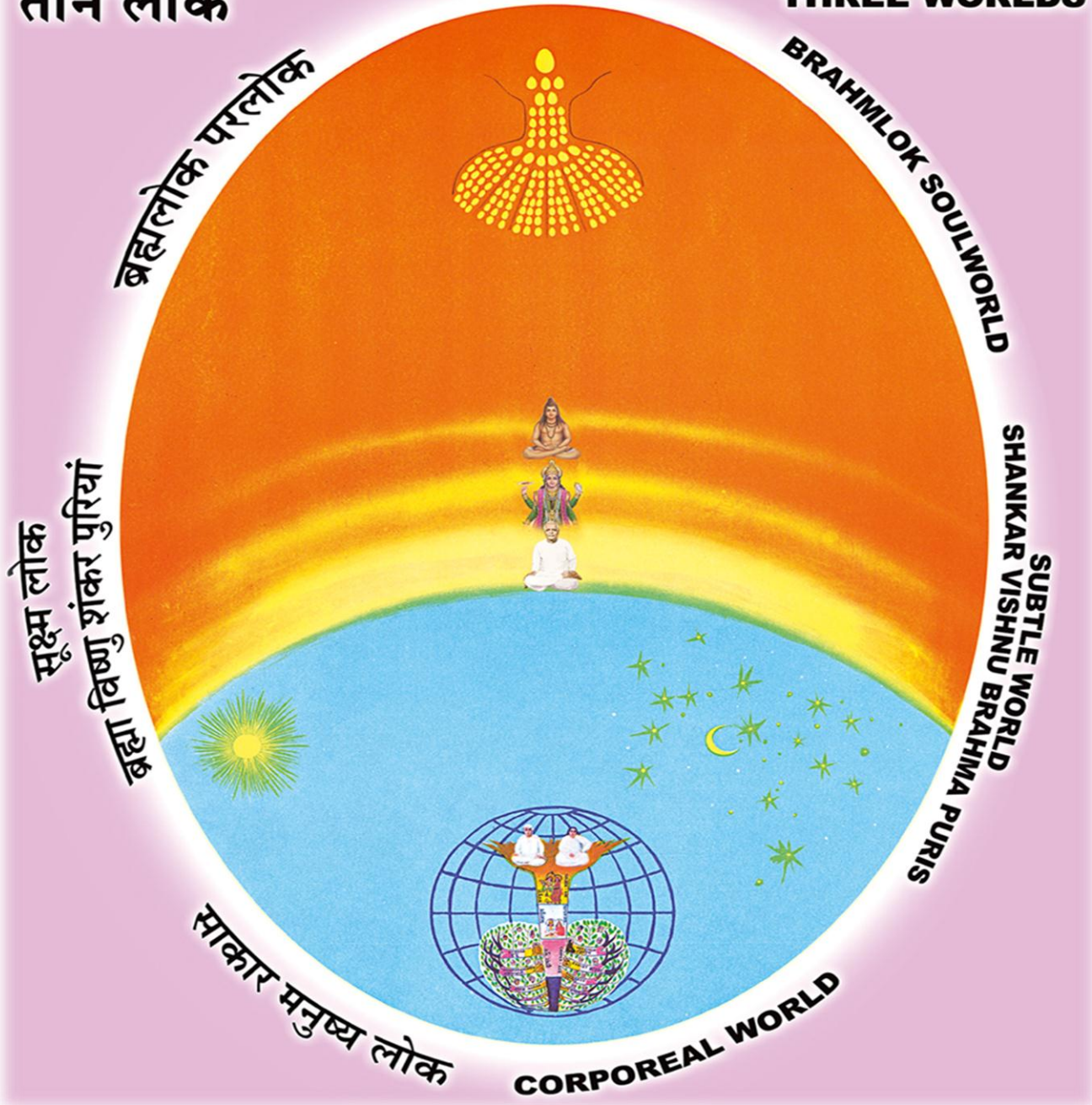
LOVE



HAPPINESS

तीन लोक

THREE WORLDS





परमात्मा से संबंधित मान्यताएँ

आत्मा ही परमात्मा
प्रकृति ही परमात्मा
परमात्मा सर्वव्यापी
नामरूप से न्यारा
परमात्मा है ही नहीं
निराकार है

आकाश

वायु

अग्नि

जल

पृथ्वी



P
R
A
K
R
U
T
I

क्या प्रकृति ही परमात्मा हैं ?

क्या
साकार
तनधारी
परमात्मा
हैं ?





क्या निराकार परमात्मा हैं?

परमात्मा को परखने के लिए 5 बातें

सर्वोपरी

सर्वोच्च

सर्वज्ञ

सर्व का दाता

सर्वधर्म माननीय

सर्व आत्माओं के परमपिता शिव परमात्मा



गुरु नानक



प्रजापिता ब्रह्मा



क्राइस्ट



रामेश्वरम्



सोमनाथ



पशूपतिनाथ



संग-ए-असवद (मक्का)



गौतम बुध्द



महावीर

राजा विक्रमादित्य

परमात्मा शिव ज्योति-बिन्दु स्वरूप है INCORPOREAL GOD & HIS ATTRIBUTES



भगवान कहते हैं :- 'हे वत्सो ! मैं नाम से न्यारा या सर्वव्यापी नहीं हूँ बल्कि मेरा नाम 'शिव' है और मेरा अव्यक्त स्वरूप ज्योति-बिन्दु है। ब्रह्मा, विष्णु और शंकर का भी रचयिता होने के कारण मैं 'त्रिमूर्ति' भी कहलाता हूँ। अब मैं प्रजापिता ब्रह्मा के तन में दिव्य प्रवेश करके पुनः सच्चा गीता-ज्ञान और सहज राजयोग सिखा रहा हूँ और सतयुगी देवी स्वराज्य की स्थापना करा रहा हूँ। अतः अब आप पूर्ण पवित्र बनो और राजयोगी बनो तो मैं आपको 21 जन्मों के लिये आने वाली देवी सृष्टि (वैकुण्ठ; स्वर्ग) में राज्य और भाग्य का ईश्वरीय जन्म-सिद्ध अधिकार दूँगा।'

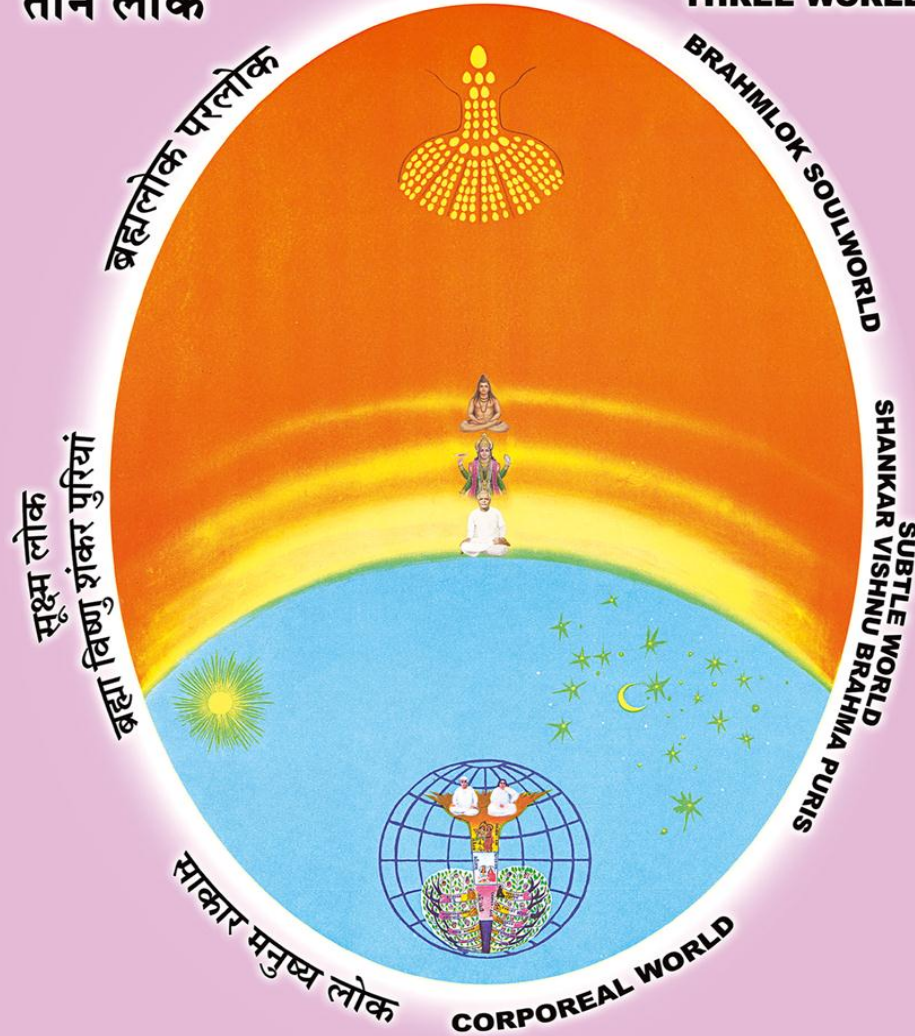
IS GOD REALLY OMNIPRESENT...???



परमात्मा परमधाम निवासी है

तीन लोक

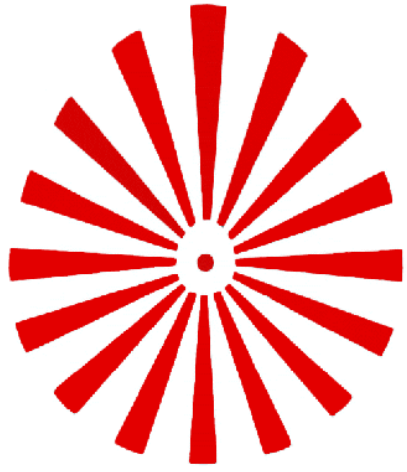
THREE WORLDS



शिव भगवानुवाच:-

“ हे वत्सो ! मैं इस जगत में व्यापक नहीं, मैं तो इस मनुष्य-सृष्टि रुपी वृक्ष का बीज रुप सूर्य, चाँद और सितारों से भी पार परमधाम का वासी हूँ । मैं कलियुग के अन्त और सतयुग के आदि अर्थात् पुरषोत्तम संगम युग पर सर्व को मुक्ति तथा जीवनमुक्ति का वरदान देने के लिये अवतरित होता हूँ । ”

3



GENERATOR



OPERATOR

DESTROYER





GOD FATHER SHIVA



GENERATOR



OPERATOR

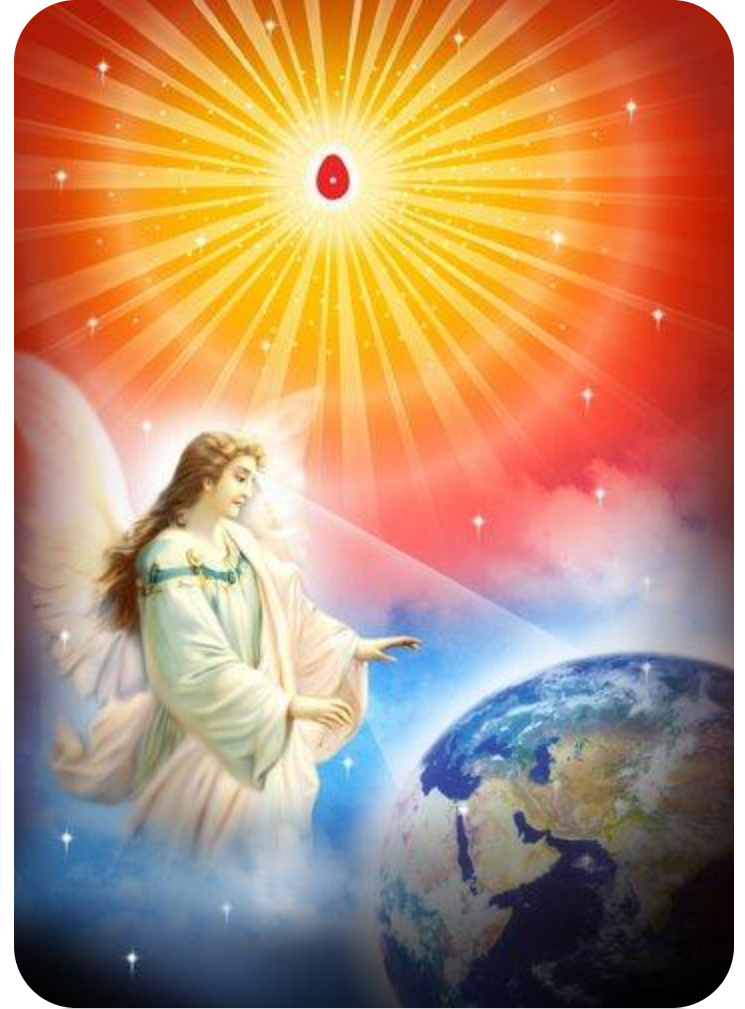


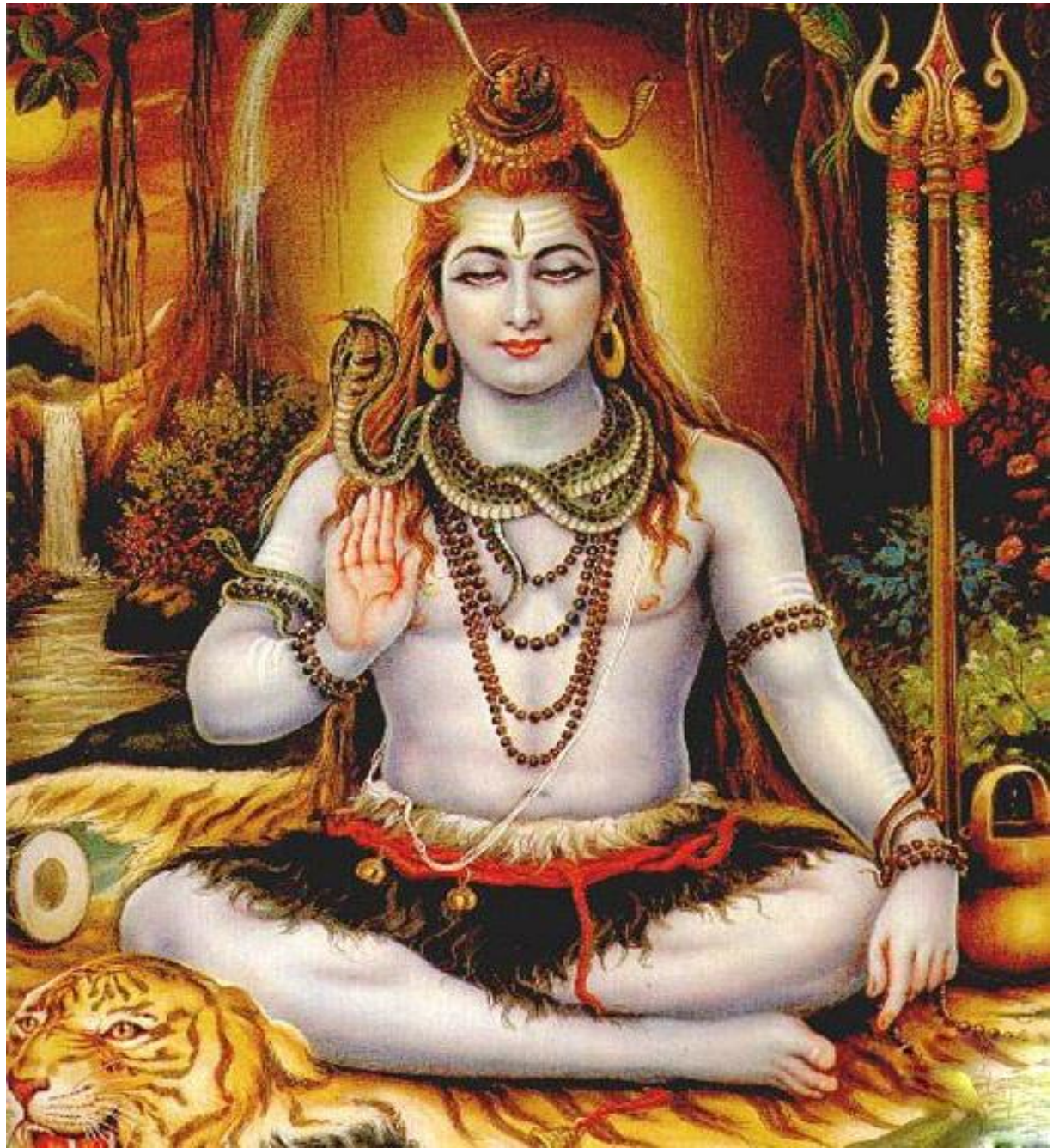
DESTROYER





*ब्रह्मा द्वारा नयी दुनिया की
स्थापना*



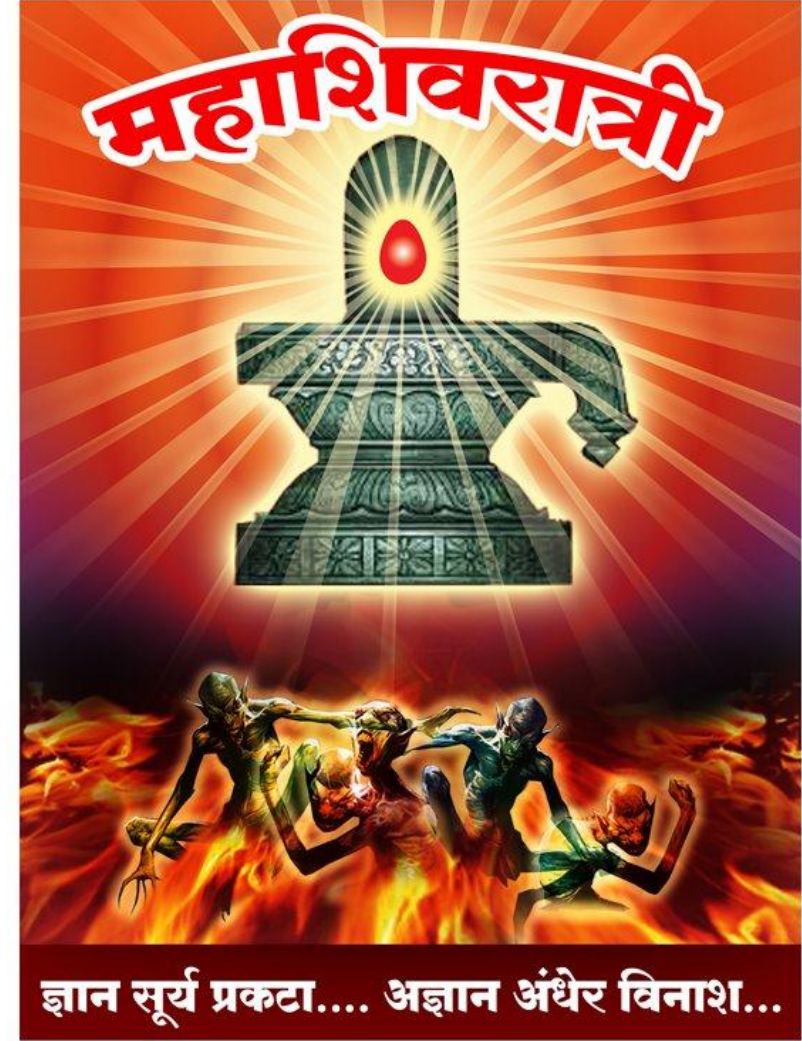






सूक्ष्मलोक निवासी, विनाशकारी, आकारी देवता
(रचना)

परमधाम निवासी, कल्याणकारी, निराकार परमात्मा
(रचयिता)



ज्ञान सूर्य प्रकटा.... अज्ञान अंधेर विनाश...







WE ALL KNOW.....

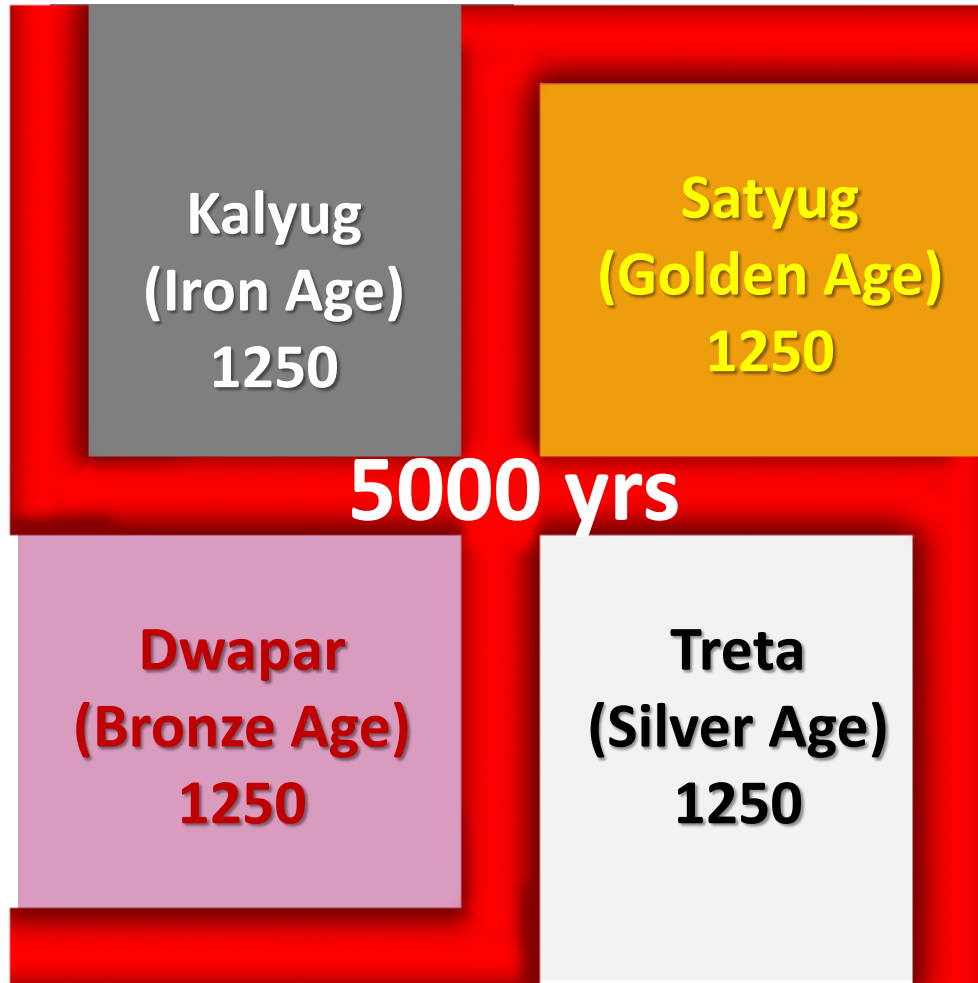
WORLD IS A DRAMA STAGE



WE ARE ALL IT'S ACTORS

BUT WHAT IS THE DURATION.....????





SU+ASTIKA=SWASTIKA

कालचक्र



कालचक्र

ईसाई धर्म-वंश 2000 वर्ष
आदिमकाल
भारत

संसारयुग

कलयुग
1250 वर्ष

सतयुग
1250 वर्ष

द्वापरयुग
1250 वर्ष

त्रैतायुग
1250 वर्ष



कलियुग अंत की निशानियाँ

- अनाज पुडियो मे बिकेगा
- चांद तक सीडी लगेगी
- दुध बोतलो में बिकेगा
- मानवताहीन विज्ञान
- कन्या मुख से वर मांगेगी
- भावनाहीन भक्ति
- केशों का श्रृंगार होगा
- विवेकहीन मनोरंजन
- सोने में सुंगध होगी

❖ ड्रामा कल्याणकारी है

❖ ड्रामा Accurate है

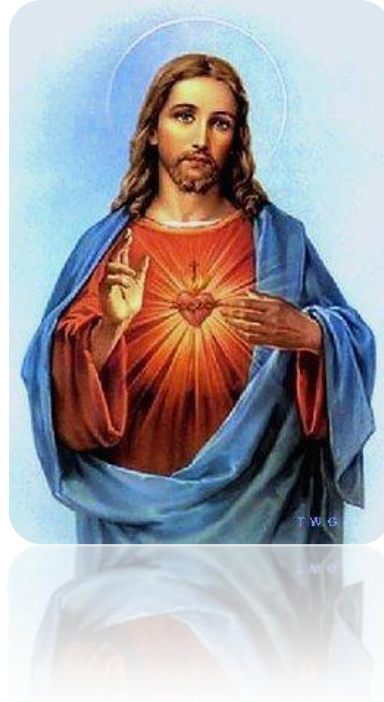
❖ सभी Actors unique है

❖ ड्रामा हुबहु रिपीट होता है

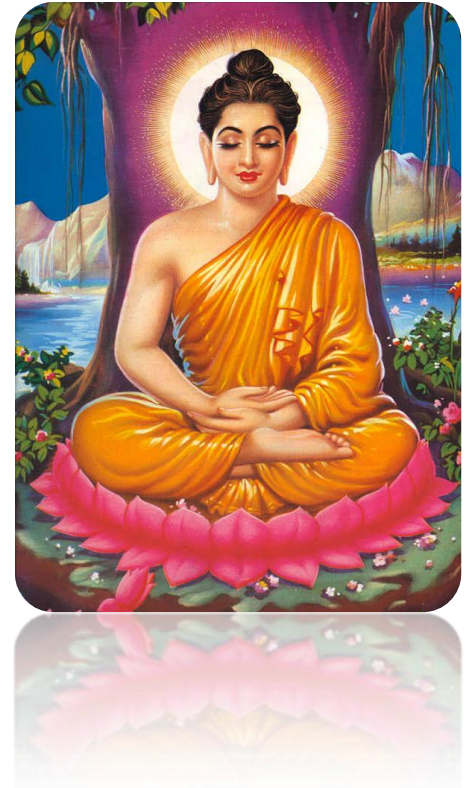
❖ ड्रामा के ज्ञान से साक्षी बनते है



CHRISANITY
2000 yrs



BUDDHISM
2250 yrs



HINDUISM













RAJYOGA

'**YOG**' SIMPLY MEANS REMEMBRANCE

'**RAJYOGA**' LITERALLY MEANS KING OF YOGAS

ALSO IT HAS BEEN GIVEN THE NAME '**RAJ**'

BECAUSE WITH IT'S PRACTISE WE LEARN TO

MASTER OURSELVES....

SOME MYTHS RELATED TO MEDITATION.....



○ **An exercise to stop your thoughts**

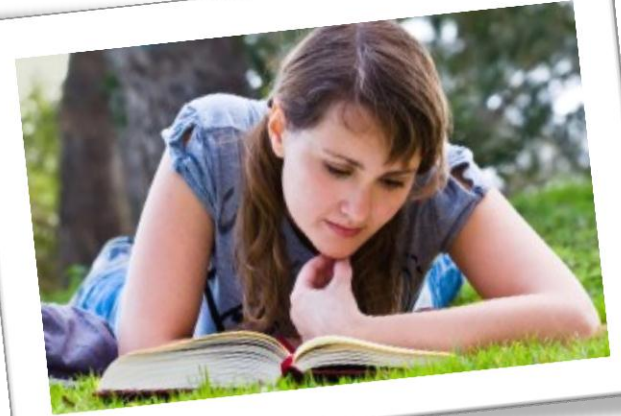
○ **Prarthna**

○ **Chanting Mantras**



WHAT DOES THE MIND NEED....

**FOOD IN THE FORM OF
POWERFUL THOUGHTS**



**EXERCISE BY
THINKING POSITIVE**

REST BY MEDITATING



WHY/WHEN DO WE REMEMBER GOD....??

- WHEN IN PROBLEM /PAIN
- OUT OF FEAR
- FOR SELF-INTEREST
- BECAUSE OF TRADITION/RULE
- COMPLAINING

परमात्मा से ६ मुख्य संबंध जोड सकते है

- ➡ मातापिता और बच्चे का
- ➡ दोस्त
- ➡ साजन-सजनी
- ➡ गुरु शिष्य
- ➡ टिचर स्टुडन्ट
- ➡ आप मातापिता और परमात्मा आपके बच्चे

राजयोग का आधार

परिचय

परमात्मा कोन है ?

परमात्मा कहाँ रहते है ?

संबंध

मेरा उनके साथ क्या संबंध है

रुनेह

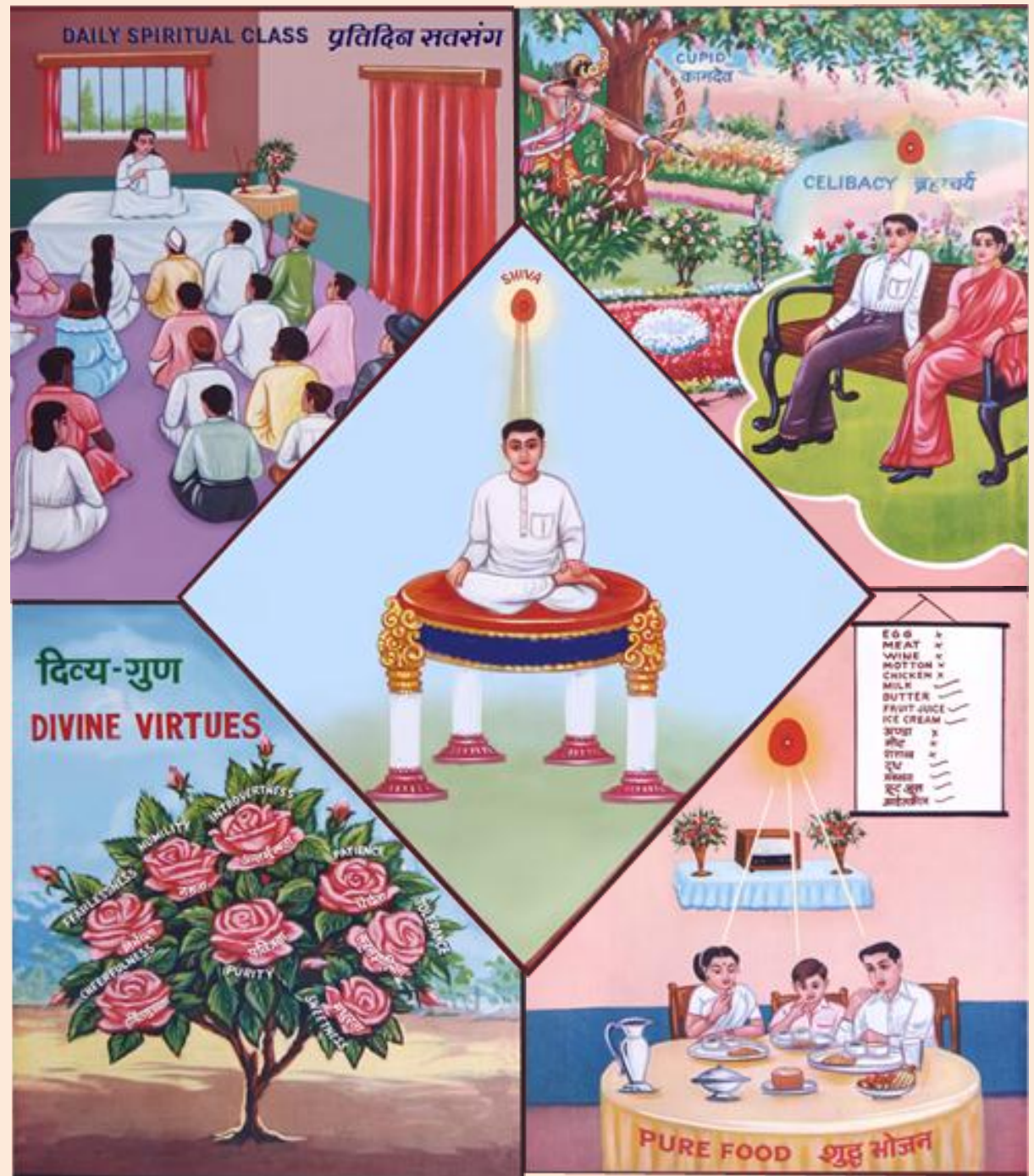
क्या मेरा उनके साथ रुनेह है ?

पाप्ति

परमात्मा को याद करने से मुझे क्या पाप्ति होगी ?

Pillars of RAJYOGA

Purity is Royalty



ACHIEVMENTS OF 8 POWERS THROUGH RAJYOGA



POWER TO TOLERATE



POWER TO ACCOMMODATE

POWER TO DISCRIMINATE



POWER TO JUDGEMENT



POWER TO FACE



POWER TO CO-OPERATE



POWER TO WITHDRAW



POWER TO PACKUP

ACHIEVMENTS OF 8 POWERS THROUGH RAJYOGA



POWER TO TOLERATE

POWER TO FACE



POWER TO WITHDRAW

POWER TO DISCRIMINATE



POWER TO JUDGEMENT



POWER TO ACCOMODATE



POWER TO CO-OPERATE



POWER TO PACKUP